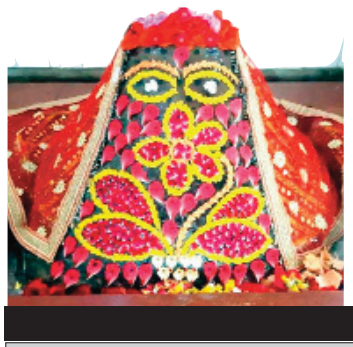

।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, 16-30 जून 2024 , 16-30 June 2024, • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 3 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु. 2 (Price 2/-)

भारत की इकोनॉमी पर अमेरिका से आई गुड न्यूज

नई दिल्ली : अमेरिकी रेटिंग एजेंसी ने भारत की ग्रोथ को लेकर विश्वास जताते हुए कहा है कि वित्त 2025 में भारत की ग्रोथ 7.2 फीसदी रह सकती है. फिच अपने अनुमान में 0.2 फीसदी का इजाफा किया है. जिससे भारत दुनिया के बडे.देशों में सबसे तेज इकोनॉमिक ग्रोथ वाला देश बना रह सकता है.

भारत की इकोनॉमी को लेकर अमेरिका से गुड न्यूज आई है. ये गुड न्यूज रेटिंग एजेंसी फिच की ओर से दी गई है. फिच ने भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ के अनुमान में 0.2 फीसदी का इजाफा किया है. वहीं भरोसा जताया है कि भारत में खर्च में सुधार और निवेश में इजाफा देखने को मिल सकता है. वहीं वित्त वर्ष 2026 और 2027 में भी देश की इकोनॉमिक ग्रोथ 6 फीसदी से ऊपर रह सकती है. इससे पहले आरबीआई की मॉरेटरी पॉलिसी ने भी भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ को लेकर अनुमान बताया था. जिसमें देश की इकोनॉमी 7.2 फीसदी रह सकती है. ये अनुमान देश की इकोनॉमिक ग्रोथ के उस आंकडे.से कम है, जो बीते वित्त वर्ष में देखने को मिले थे. फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है. मार्च में उसने इसके 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था. रेटिंग एजेंसी ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में वृद्धि का हवाला देते हुए अनुमान में संशोधन किया. वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए फिच ने क्रमशः 6.5 प्रतिशत और 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है. फिच ने अपनी ग्लोबल इकोनॉमिक सिनेरियो रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.2 फीसदी की मजबूत वृद्धि होगी.

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निवेश में वृद्धि जारी रहेगी, लेकिन हाल की तिमाहियों की तुलना में यह वृद्धि धीमी रहेगी, जबकि उपभोक्ता विश्वास बढने के साथ उपभोक्ता खर्च में सुधार होगा. क्रय प्रबंधकों के सर्वेक्षण के आंकडे.चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में निरंतर वृद्धि की ओर इशारा करते हैं. इसने कहा कि आने वाले मानसून के मौसम के सामान्य रहने के संकेत वृद्धि को बढावा देंगे और मुद्रास्फीति को कम अस्थिर बनाएंगे. हालांकि हाल ही में भीषण गर्मी ने जोखिम उत्पन्न किया है. गत वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढी थी.

फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति में नरमी से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढेगी. खास बात तो ये है कि आरबीआई का ये अनुमान बीते वित्त वर्ष जीडीपी ग्रोथ के आंकडें.से कम था. वहीं दूसरी ओर आरबीआई ने लगातार 8वीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव ना करने कर ऐलान किया था. आरबीआई ने कहा था कि अभी महंगाई से जंग जारी है. वैसे लगातार तीन महीनों से भारत की रिटेल महंगाई 5 फीसदी से नीचे बनी हुई है.

सीट छोड़ी तो हाथ से निकला प्रदेश, इन 3 आंकड़ों में छिपा है प्रियंका के वायनाड से चुनाव लड़ने का राज

नई दिल्ली : रायबरेली और वायनाड से जीतने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड.दी है. राहुल गांधी के बदले अब प्रियंका गांधी वायनाड सीट से चुनाव लडेंगी. कांग्रेस ने यह फैसला क्यों किया है, इसे विस्तार से समझते हैं.

सांसद चुने जाने के 13 दिन बाद राहुल गांधी ने केरल की वायनाड सीट छोडने का फैसला किया है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सरकारी आवास पर कांग्रेस हाईकमान की बैठक के बाद पार्टी ने राहुल का फैसला सुनाया. राहुल गांधी अपने परिवार के तीसरे ऐसे सदस्य हैं, जिन्होंने दक्षिण भारत की सीट से अपनी सांसदी को जारी नहीं रखा है. राहुल से पहले उनकी दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी दक्षिण भारत की सीट जीतकर छोड. चुकी हैं. इंदिरा ने 1980 में कर्नाटक के चिकमगलूर की बजाय रायबरेली और मेडक को तवज्जों दी थी, जबकि 1999 में बेल्लारी से जीतने के बाद सोनिया ने अमेठी का रुख कर लिया था. इंदिरा-सोनिया के मुकाबले राहुल का फैसला थोडा अलग है. वायनाड को छोडते हुए राहुल ने यह सीट अपनी बहन प्रियंका गांधी को सौंपने का ऐलान किया है. राजनीति में आने के बाद प्रियंका पहली बार यहां से चुनाव लडेंगी. प्रियंका के वायनाड से चुनाव लडने को कांग्रेस भले पारिवारिक मामला बता रही हो, लेकिन 3 ऐसे आंकडे.हैं, जिसमें प्रियंका के यहां से लडने का राज छिपा है. इस स्टोरी में इन्हीं 3 आंकडे.को विस्तार से समझते हैं-

1. इंदिरा का चिकमगलूर छोडना कांग्रेस को पडा था भारी

आपातकाल के बाद 1977 में हुए चुनाव में इंदिरा गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से बुरी तरह हार गई. इंदिरा के चुनाव हारने के बाद उनके राजनीतिक करियर को लेकर कई तरह के कयास लगने शुरू हो गए. इसी बीच 1978 में निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक के चिकमगलूर सीट पर उपचुनाव कराने की घोषणा कर दी. स्थानीय कांग्रेस नेताओं के कहने पर इंदिरा गांधी ने चिकमगलूर सीट से पर्चा दाखिल कर दिया. जनता पार्टी ने इंदिरा के सामने वीरेंद्र पाटिल को मैदान में उतारा. हालांकि, चिकमगलूर की जनता ने इस चुनाव में इंदिरा का साथ दिया. इंदिरा ने चिकमगलूर के इस उपचुनाव में करीब 77 हजार वोटों से वीरेंद्र पाटील को हराया. इंदिरा की इस जीत ने कांग्रेसियों में उत्साह भर दिया और पार्टी के नेता फिर से सक्रिय होने लगे. इस वाकये के 2 साल बाद ही केंद्र की जनता पार्टी की सरकार गिर गई.

इंदिरा की इनकार के बाद कांग्रेस ने यहां से डीएम पुट्टेगौडा को उम्मीदवार बनाया. इंदिरा लहर में पुट्टेगौडा चुनाव तो जीत गए, लेकिन बाद में कांग्रेस के लिए यह फैसला नुकसानदायक साबित हुआ. 1983 के विधानसभा चुनाव में इंदिरा के चिकमगलूर छोडने को

बडा मुद्दा बनाया और कर्नाटक की जनता के साथ धोखाधडी का आरोप लगाया. कांग्रेस की तरफ से इस नैरेटिव के खिलाफ कई दलीलें दी गई, लेकिन पार्टी जनता को समझाने में नाकाम रही. 1983 में पहली बार कर्नाटक में गैर-कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी. रामकृष्ण हेगडे. मुख्यमंत्री चुने गए. चिकमगलूर लोकसभा की 8 में से 6 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को हार का सामना करना पडा.

2. सोनिया ने बेल्लारी छोडी तो कर्नाटक में हाफ हो गई कांग्रेस

राजनीति में एंट्री करने के बाद 1999 में सोनिया गांधी ने चुनाव लडने की घोषणा की. विपक्ष ने सोनिया के बाहरी होने का मुद्दा बनाया. उत्तर भारत में विपक्ष की इस नैरेटिव को देखते हुए कांग्रेस ने सोनिया को कर्नाटक के बेल्लारी सीट से चुनाव लडवाने का फैसला किया. सोनिया गांधी के नामांकन की जिम्मेदारी उस वक्त कर्नाटक के प्रभारी गुलाम नबी आजाद को दी गई थी. आजाद ने नामांकन प्रक्रिया को काफी सीक्रेट रखा. इसके बाद सुषमा और सोनिया के बीच बेल्लारी में खूब बाणों के तीर चले. बेल्लारी की जनता ने आखिर में सोनिया पर ही भरोसा जताया. सोनिया यह चुनाव करीब 56 हजार वोटों से जीतने में कामयाब रहीं. सोनिया को बेल्लारी के साथ-साथ अमेठी से भी जीत मिल गई.

एक सीट छोडने की जब बारी आई तो सोनिया ने बेल्लारी के बदले अमेठी को तरजीह दी. सोनिया का यह फैसला कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के लिए नुकसानदेह साबित हुआ. 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें 18 इसे घटकर 8 हो गईं. पार्टी को सोनिया के बेल्लारी में भी बडी हार मिली. बेल्लारी में इसके बाद कांग्रेस 2014 तक लगातार हारती रही. सोनिया के बेल्लारी छोडने का फैक्टर 2004 के विधानसभा चुनाव में भी हावी रहा. इस चुनाव में कांग्रेस को 67 सीटों का नुकसान हुआ. पार्टी को सिर्फ 65 सीटों पर जीत मिली. इस चुनाव में बेल्लारी लोकसभा की 8 में से सिर्फ एक सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार जीत पाए.

3. केरल में 2 साल बाद चुनाव, कांग्रेस को यहां से उम्मीदें

केरल में 2 साल बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं. यहां विधानसभा की 140 सीटें हैं. पिछले 2 बार से केरल में लोकसभा और विधानसभा चुनाव का पैटर्न एक जैसा है. लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन को यहां जीत मिल रही है तो विधानसभा चुनाव में सीपीएम गठबंधन को.हालांकि, इस बार कांग्रेस की बढत काफी ज्यादा है. चुनाव आयोग के मुताबिक इस लोकसभा चुनाव में केरल की 111 विधानसभा में कांग्रेस गठबंधन को बढत मिली है.

अहंकार ने बीजेपी को मिट्टी में मिला दिया : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता : डायमंड हार्बर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से तीसरी बार जीत के बाद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों से मुलाकात की और भाजपा पर जमकर हमला बोला. अभिषेक बनर्जी ने चुनाव में 7 लाख से अधिक मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की है. तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा चुनाव के नतीजों पर तंज कसते हुए कहा कि अभिमान और अहंकार ने भाजपा को धूल में मिला दिया है. उन्होंने लोकसभा चुनाव को प्रतिरोध, विरोध और प्रतिशोध का चुनाव करार दिया. उन्होंने भाजपा पर न्यायपालिका को भ्रष्ट करने, मीडिया पर रोक लगाने, केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने और सत्ता से चिपके रहने के लिए चुनाव आयोग से छेड़छाड़ करने का भी आरोप लगाया. डायमंड हार्बर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से तीसरी बार जीत के बाद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों से मुलाकात की. अभिषेक बनर्जी ने चुनाव में 7 लाख से अधिक मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की है. टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव इतिहास में लोगों की दहाड़ के रूप में जाना जाता है. उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव विरोध, प्रतिवाद और प्रतिशोध का चुनाव था. भाजपा का अभिमान और अहंकार धूल में मिल गई है. हालांकि एनडीए लगातार तीसरी बार सत्ता में वापस लौटा, लेकिन बीजेपी बहुमत हासिल करने में विफल रही है. बीजेपी को सत्ता में बने रहने के लिए जेडी (यू) और तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ा है.

सभी नारियल नहीं होते श्रीफल

एकाक्षी नारियल को ही कहा जाता है 'श्रीफल'

नई दिल्ली : हिंदू धर्म में कोई भी पूजा नारियल के बिना पूर्ण नहीं होती। चाहे वह प्रसाद के रूप में हो या भेंट करने के रूप में, नारियल पूजा पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है। नारियल को श्रीफल भी कहा जाता है, और आमतौर पर लोग सभी नारियल को श्रीफल कहते हैं, लेकिन यह गलत धारणा है। दरअसल सभी नारियल श्रीफल नहीं होते। केवल एकाक्षी नारियल ही श्रीफल कहा जाता है, जो श्री अर्थात लक्ष्मी प्रदाता होता है। सैकड़ों-हजारों नारियल में कोई एक श्रीफल होता है। नारियल तो सभी शुभ होते हैं लेकिन एकाक्षी नारियल को विशेषतौर पर लक्ष्मी प्रदाता कहा गया है और यह जिसके भी पास होता है, उसे धन की कमी नहीं होती।

यदि नारियल की जटा हटाई जाए तो नीचे की ओर उसमें तीन छिद्र दिखाई देते हैं। इन तीन छिद्रों में से दो को आंख और एक को नारियल का मुख कहा जाता है। ऐसे नारियल में तीन खड़ी रेखाएं भी दिखाई देती हैं। लेकिन एकाक्षी नारियल में केवल दो छिद्र होते हैं जिनमें से एक मुख और एक आंख होता है। यह आकार में काफी छोटा होता है और इसमें दो रेखाएं होती हैं। यही एकाक्षी नारियल श्रीफल होता है। लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए इस श्रीफल की काफी डिमांड रहती है, लेकिन यह अत्यंत दुर्लभ होता है। इसलिए पैसे के लालच में लोग नकली एकाक्षी नारियल बनाने लगे हैं।

कब करें एकाक्षी नारियल का प्रयोग : असली एकाक्षी नारियल मिल जाने के बाद इसे विशेष मुहूर्तो जैसे होली, दीपावली, सूर्य-चंद्र ग्रहणकाल, रवि-गुरु पुष्य नक्षत्र, अक्षय तृतीया, आंवला नवमी, दशहरा, नवरात्रि आदि में षोडशोपचार पूजन करके लाल रेशमी वस्त्र में बांधकर अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान, दुकान और घर की तिजोरी में रखें। पूजा स्थान में भी रखा जा सकता है। इससे लक्ष्मी की पूर्ण कृपा प्राप्त होती है।

एकाक्षी नारियल के लाभ : एकाक्षी नारियल पैसों से जुड़ी सारी समस्याएं दूर करता है। यह जिस घर में होता है वहां सुख-संपदा भरपूर रहती है। यह नारियल दांपत्य सुख प्रदाता कहा गया है। जिस घर में होता है वहां पति-पत्नी में प्रेम बना रहता है। एकाक्षी नारियल नवग्रहों की पीड़ा से मुक्ति दिलाता है। कुंडली में बने ग्रह दोष दूर करता है। एकाक्षी नारियल का प्रयोग सम्मोहन, वशीकरण में भी किया जाता है। यह जिसके पास होता है वह सभी को आकर्षित कर लेता है।

व्यापारिक कार्यो या नौकरी में कोई बाधा आ रही हो तो एकाक्षी नारियल का पूजन स्थापना करने से बाधा दूर होती है। एकाक्षी नारियल जिसके पास होता है उस पर किसी के द्वारा नुकसान पहुंचाने के लिए की गई तंत्र क्रियाओं को प्रभाव नहीं होता।

अधीर रंजन चौधरी ने छोड़ी बंगाल कांग्रेस की कमान

कोलकाता : पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने इस्तीफा दे दिया है. सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने पार्टी आलाकमान से कहा कि जब ममता बनर्जी से पार्टी की बातचीत चल रही थी तब भी मैंने इस्तीफा दिया था, लेकिन मुझे रोक दिया गया था. अब चुनाव खत्म हो गया तो मेरा इस्तीफा स्वीकार करें. हालांकि, आलाकमान ने अंतिम फैसला नहीं होने तक पद पर बने रहने के लिए कहा है. अधीर रंजन चौधरी 2019 से 2024 तक लोकसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष रहे. इस बार के चुनाव में बंगाल के बहरामपुर से मैदान में उतरे थे, लेकिन टीएमसी नेता और क्रिकेटर यूसुफ पठान ने 80 हजार से अधिक वोटों से मात देते हुए जीत हासिल की. चुनाव में यूसुफ पठान को 5,24,516 वोट मिले थे जबकि कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को 4,39,494 वोट मिले. अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल की सियासत के बड़े नाम हैं. ये आज की बात नहीं है, वह बरसों से बतौर विपक्ष के नेता पश्चिम बंगाल में ममता सरकार से लड़ते आए हैं. पार्टी आलाकमान के साथ अधीर रंजन के मतभेद उस समय खुल कर सामने आ गए थे जब बंगाल में कांग्रेस ममता बनर्जी की पार्टी से गठबंधन को लेकर चर्चा कर रही थी. माना जाता है कि अधीर रंजन चौधरी टीएमसी के साथ गठबंधन के पक्ष में नहीं थे.

ममता के बयान पर किया था तीखा पलटवार- अधीर रंजन चौधरी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान पर नाराज हो गए थे जिसमें उन्होंने कहा था कि सबसे पुरानी पार्टी 40 सीटें जीतेगी या नहीं, ये भी कहना मुश्किल है. ममता के बयान पर पलटवार करते हुए अधीर रंजन चौधरी खुलकर बंगाल सीएम के विरोध में आ गए थे. अधीर रंजन ने कहा था कि अगर इंडिया ब्लॉग का कोई नेता ऐसा कहता है तो ये दुर्भाग्यपूर्ण है. ममता बीजेपी से डरती हैं, इसलिए अपना रुख बदल रही हैं.

बंगाल में कांग्रेस को केवल एक सीट मिली- पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 40 सीटें हैं. इस बार के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को केवल एक सीट पर जीत मिली है. वहीं, बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी 29 सीटों पर चुनाव जीतने में सफल रही है. वहीं, बीजेपी के खाते में मात्र 12 सीटें आई हैं. इस बार के चुनाव में टीएमसी को पिछले चुनाव की तुलना में 7 सीटों का फायदा हुआ जबकि कांग्रेस को एक सीट का नुकसान उठाना पड़ा है. वहीं, बीजेपी को 6 सीटों का नुकसान हुआ है.

आज की नारी गलत के खिलाफ आवाज उठाने से नहीं डरती

नई दिल्ली : समाज में वक्त के साथ महिलाओं का जीवन के प्रति नजरिया बदला है। उनकी शिक्षा, परवरिश, रहन-सहन आदि सभी कुछ बदला है जिससे उनकी सोच में भी काफी सकारात्मक बदलाव हुए हैं। अब वे केवल दूसरों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने लिए भी जीती हैं। वे अपने प्रति पहले से काफी उदार हुई हैं। कई मायनों में अब उन्हें स्वतंत्रता मिली है जिसे आधुनिक महिलाओं के इन खास गुणों से समझा जा सकता है।

1 अभिव्यक्ति : आज की महिला अपने विचारों को खुलकर दूसरों के सामने रखती हैं। उसे किसी की कोई बात पसंद आए, तो तारीफ करने में भी झिझक नहीं करतीं, वहीं कोई बात नापसंद हो तब भी मन में दबाकर नहीं बैठतीं।

2 शिष्टता : आज महिलाएं शिक्षित हैं। उन्हें कई विषयों का ज्ञान है। वे आधुनिकता, सभ्यता और शिष्टता में तालमेल बैठाकर चलती हैं। आभार व्यक्त करना और गलती होने पर तुरंत उसे स्वीकार कर माफी मांगना आधुनिक महिला की आदत में शामिल है।

3 जिम्मेदार : आज महिला जिम्मेदार तो है साथ ही, कितनी जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेना है, यह वे अपनी प्राथमिकता अनुसार तय करती हैं। जितना काम वे अच्छी तरह से निभा सकें, उतना ही काम वे हाथों में लेती हैं। केवल दूसरों की खुशी के लिए अधिक काम का बोझ लेने के लिए हां नहीं करतीं।

4. ना कहने से नहीं डरतीं : आज महिलाएं जी-हुजूरी नहीं करतीं। जहां जरूरी हो वहां ना कहने में भी नहीं हिचकतीं।

5 काम बांटना जानती हैं : आधुनिक महिलाएं हवाई बातों को नहीं मानतीं। उन्हें पता है कि वे सुपरवूमेन नहीं हैं, इंसान हैं। घर, बाहर, बच्चों और परिवार के सारे काम वे अकेले नहीं कर सकतीं। इन कामों को वे अपने पति और अन्य सदस्यों के साथ बांटना बेहतर समझती हैं।

6 अपना ख्याल रखती हैं : आधुनिक महिलाएं खुद से प्यार करती हैं, परिवार के साथ खुद का भी ख्याल रखती हैं और खुद का भी सम्मान करती हैं।

7 अपडेट रहती हैं : ये महिलाएं नई-नई चीजें व टेक्नोलॉजी सीखती हैं। ये भली-भांति समझती हैं कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। वे मोबाइल, स्मार्टफोन्स, नेट बैंकिंग, टिकट बुकिंग, कम्प्यूटर, लैपटॉप जैसे तमाम गैजेट्स का उपयोग करके अपने जीवन को आसान बनाती हैं। जीवन का कोई भी पड़ाव हो, चाहे वह शादी हो या मातृत्व, उन्हें नई चीजें सीखकर आगे बढ़ने से कोई नहीं रोकता।

8 अपने लिए समय निकालती हैं : आज की महिलाओं का जीवन के प्रति नजरिया अलग है। अब वे हमेशा परिवार से घिरे रहना पसंद नहीं करतीं। खुद के लिए समय निकालना, घूमना, दोस्तों के साथ वक्त बिताना, जब मन करे तो सोलो ट्रैवल करना, अपनी पसंदीदा गतिविधियों में भाग लेना आदि उन्हें पसंद है।

9 खुद पर कंट्रोल : आज महिलाएं ऑफिस व अपने सामाजिक सर्कल में कई तरह की पार्टीज में भाग लेती हैं, जहां वेज, नॉनवेज व अल्कोहॉल का चलन आम बात है। ऐसे में वे समय के साथ चलते हुए इस तरह के खानपान से परहेज नहीं करती हैं। वे सभी नई चीजें आजमाना पसंद करती हैं। सही-गलत की समझ रखते हुए वे खुद को नियंत्रण में रखना भी जानती हैं।

10 उम्र से परे सोचती हैं : आज की महिलाएं हर उम्र का मजा लेती हैं और उसे अपनी उम्र पर फख्र भी होता है। वे हर उम्र में मौज-मस्ती भी करती हैं। आज की महिलाएं समय से पहले बूढ़ी नहीं होतीं व खुद को मेंटेन रखती हैं। खुद की जरूरतों पर दिल खोलकर खर्च भी करती हैं।

11जुल्म के खिलाफ आवाज उठाती हैं : आज वे किसी प्रकार के जुल्म चुपचाप नहीं सहतीं और न ही दूसरों को सहने देती हैं। अपने प्रति गलत व्यवहार होने पर वे आवाज उठाती हैं।

महिला अपने ही बाल बेचकर हो गई अमीर, कमाने लगी लाखों रुपये

नई दिल्ली : कमाने के लिए लोग पता नहीं क्या-क्या करते हैं, आपने कई तरीके सुने होंगे मगर एक महिला ने अपने बाल बेचकर अमीर हो गई। वह हर महिने 25 लाख रुपये तक की कमाई कर लेती है। उसके बालों की इतनी ज्यादा डिमांड है कि पूर्ति नहीं हो पा रही है। उसका दावा है कि कोई भी ये बिजनेस शुरू कर सकता है, साथ ही वह घर बैठे लाखों रुपये कमाई कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 21 साल की अमांडा लियोन एक मॉडल है। इंस्टाग्राम पर उनके लाखों चाहने वाले हैं। अमांडा लियोन ने कहा कि, कुछ दिनों पहले मेरे एक फॉलोवर्स ने मैसेज किया, लिखा-आपके बाल बेहद सुंदर हैं। क्या आप इनकी एक लट मुझे दे सकती हैं; इसके लिए मैं आपको 71 पाउंड

(तकरीबन 7500 हजार रुपये) दे सकता हूं।

अमांडा ने कहा, जैसे ही उस शख्से ने मुझसे ये डिमांड की, मुझे बिजनेस आइडिया आ गया। फिर मैंने सोशल मीडिया पर तलाशना शुरू किया। यह जानने के बाद कई लोग मेरे बालों के लिए लाखों खर्च करने के लिए तैयार हैं, मैंने बालों को बेचना शुरू किया। तब से अब तक मैं अपने बालों को बेचकर 24,000 पाउंड (तकरीबन 25 लाख रुपये) कमा चुकी हूं। बहुत सारे लोग मेरे बालों को तोहफे के तौर पर मांगते हैं। एक छोटा सा टुकड़ा खरीदते हैं। इसके लिए मैं उनसे हजारों रुपये लेती हूं।बाल बेचना अब एक बिजनेस बन गया है और भारत में भी कई लोग अपने बालों को बेचकर अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं। भारत में इंसानों के बाल प्रतिकिलो 25 से 30 हजार रुपये के भाव से बिकते हैं। भारत से बाल चीन, थाईलैंड, मलेशिया, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका और बर्मा तक भेजे जाते हैं। यहां इनकी सफाई होती है जिसके बाद इन बालों का विग बनाया जाता है।

'समय का मूल्य'

समय का मूल्य जो आंकते हैं वे जीवन में सफल रहते हैं और जो व्यर्थ समय नष्ट करते हैं, समझिए वे अपना जीवन भी नष्ट ही कर रहे हैं

फ्रैंकलिन अपनी पुस्तकों की दुकान पर बैठे दत्तचित्त होकर कुछ आवश्यक कार्य कर रहे थे। उसी समय एक व्यक्ति आया और पुस्तकों को देखता रहा। अंत में बहुत छानबीन करने पर उसने एक पुस्तक पसंद की ओर काउंटर पर बैठे कर्मचारी से उसका मूल्य पूछा, तो कर्मचारी ने उसका मूल्य एक डॉलर बताया।

ग्राहक ने मूल्य कुछ कम करने का बहुत आग्रह किया, किन्तु दुकानदार तैयार नहीं हुआ, तो उसने काउंटर वाले से पूछा, क्या श्रीमान् फ्रैंकलिन इस समय दुकान पर हैं?

जी हां, हैं तो सही, किन्तु इस समय अंदर किसी आवश्यक कार्य में संलग्न हैं।

ग्राहक ने कहा, तनिक उन्हें बाहर बुला दीजिए।

कर्मचारी गया और फ्रैंकलिन को बाहर बुला लाया। ग्राहक ने उनसे कहा, फ्रैंकलिन साहब! कृपया इस पुस्तक का मूल्य बताइए।

सवा डॉलर! फ्रैंकलिन ने सपाट स्वर में उत्तर दिया।

ग्राहक तुनक गया। कुछ रुष्ट-सा होता हुआ बोला, वाह क्या ख़ूब! अभी तो आपके कर्मचारी ने इसका मूल्य एक डॉलर बताया था और आप अब सवा डॉलर बता रहे हैं?

फ्रैंकलिन बोले, इसका मूल्य तो एक डॉलर ही है, किन्तु आपने मुझे बुलवा कर मेरा समय नष्ट किया है, अत: अब इसका मूल्य सवा डॉलर हो गया है।

ग्राहक परेशानी अनुभव कर रहा था। फिर भी बोला, अच्छा बताइए, अब इसका वास्तविक मूल्य क्या है? मैं क्या दूं?

फ्रेंकलिन ने शांत भाव से कहा, डेढ़ डॉलर।

ग्राहक आश्चर्यचकित-सा फिर पूछने लगा, यह आप क्या कह रहे हैं, अभी तो आपने इसका मूल्य सवा डॉलर कहा था और अब डेढ़ डॉलर कह रहे हैं?

देखिए श्रीमान्! मेरे लिए समय का मूल्य बहुत अधिक है क्योंकि मैं इसका मूल्य जानता हूं और आप मेरा जितना समय नष्ट करते जाएंगे, पुस्तक का मूल्य उतना ही बढ़ता जाएगा। इस बात पर विचार कर लीजिए। यह सुनकर ग्राहक बहुत लज्जित हुआ।

उसको पुस्तक की आवश्यकता थी, वह जानता था कि किसी अन्य विक्रेता के पास पुस्तक मिलेगी नहीं, अत: उसने डेढ़ डॉलर मूल्य चुकाया।

पीपल की पत्तियां सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हैं

हावड़ा : धार्मिक ग्रंथों में पीपल की विशेषताओं का वर्णन किया गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पीपल की पत्तियों का उपयोग या सेवन सेहत को कई समस्याओं से छुटकारा दिला सकता है? इसके अंदर भरपूर मात्रा में कैल्शियम, आयरन, फाइबर, मैग्नीशियम, प्रोटीन आदि मौजूद होते हैं। जो सेहत को कई तरीकों से फायदा पहुंचाते हैं। इसके उपयोग से त्वचा की समस्या हो या दांतों की, सभी समस्या दूर हो सकती है।

1. पीलिया के लिए पीपल के पत्ते : बता दें कि जब आंखों की सफेद परत या चेहरा पीला पड़ जाता है तो उसे पीलिया का लक्षण मानते हैं। ऐसे में पीपल की पत्तियां इस समस्या को दूर करने में बेहद उपयोगी है। पीपल की पत्तियों के अंदर बायोएक्टिव यौगिक मौजूद होते हैं जो पीलिया की समस्या से लड़ने में बेहद मददगार हैं। हालांकि इसकी सही मात्रा का ज्ञान होना जरूरी है।

2. दांतों के लिए पीपल की पत्तियां : अगर आप मसूड़ों की एलर्जी से परेशान हैं या मुंह की दुर्गंध से छुटकारा पाना चाहते हैं तो पीपल की पत्तियां आपके काम आ सकती हैं। पीपल की पत्तियों के अंदर फ्लेवोनॉयड्स मौजूद होते हैं जो न केवल दांतो का पीलापन दूर करते हैं बल्कि पीपल की पत्तियों से बना पेस्ट मसूड़ों की कई समस्याओं को दूर करने में बेहद उपयोगी है।

3. डायरिया की समस्या के लिए पीपल की पत्तियां : डायरिया यानी पतले दस्त। जब व्यक्ति को इस तरीके की समस्या होती है तो वह काफी थकान और कमजोरी महसूस करता है। ऐसे में पीपल की छाल के अंदर एंटी बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं। आप पीपल की छाल से बने अर्क के सेवन से अपने डायरिया की समस्या को दूर कर सकते हैं।

4. फटी एड़ियों के लिए पीपल की पत्तियां : बिना चप्पल चलने के कारण या किसी चिकित्सिय समस्या के चलते अक्सर एड़ियां फट जाती हैं, जिसके कारण दर्द या सूजन महसूस होती है। कभी-कभी समस्या इतनी गंभीर हो जाती है कि व्यक्ति के खून आना शुरू हो जाता है या चलने में दिक्कत महसूस होती है। इस समस्या को दूर करने में पीपल की पत्तियां बेहद उपयोगी हैं। पीपल की पत्तियों के अंदर एंटीमाइक्रोबॉयल गुण मौजूद होते हैं जो फटी एड़ियों से छुटकारा दिलाने में आपके काम आ सकते हैं।

5. रक्त को करे शुद्ध : बता दें कि पीपल की पत्तियों का अर्क रक्त को शुद्ध करने में बेहद उपयोगी हैं। क्योंकि इसके अंदर एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण मौजूद होते हैं जो रक्त को शुद्ध करते हैं और त्वचा रोग से छुटकारा दिलाते हैं हालांकि इस पर अभी और शोध चल रहे हैं।

6. घाव को भरें पीपल की पत्तियां : पीपल की पत्तियों के अंदर औषधि गुण मौजूद होते हैं जो कॉलेजन की मात्रा बढ़ाते हैं और घाव को भरने की को तेजी करते हैं।

पीपल के पत्तियों के नुकसान : कहते हैं किसी भी चीज की अति सेहत के लिए नुकसानदेह होती है। ऐसा ही कुछ पीपल की पत्तियों के साथ भी है। जानते हैं इसके नुकसान के बारे में-1.अगर पीपल की पत्तियों का सेवन अधिक मात्रा में किया जाए जी मचलाने की समस्या हो सकती है क्योंकि इसका स्वाद बेहद ही कड़वा होता है। 2. इसके अंदर फाइबर की मात्रा मौजूद होती है। ऐसे में इसका अधिक सेवन पेट में दर्द, मरोड़ आदि की समस्या पैदा कर सकता है।

ऊपर बताए गए बिंदुओं से पता चलता है कि पीपल की पत्तियां सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हैं। लेकिन इसकी अधिकता सेहत को नुकसान का सामना भी करा सकती है। ऐसे में सबसे पहले अपने एक्सपर्ट से यह जानें कि इसकी सीमित मात्रा कितनी है। हम दिन में कितनी मात्रा में इसका सेवन कर सकते हैं। उसके बाद ही इसे अपनी दिनचर्या में या डाइट में जोड़ें। अगर आप कोई स्पेशल डाइट फॉलो कर रहे हैं या आप किसी गंभीर समस्या से ग्रस्त हैं तो अपनी डाइट में बदलाव करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर लें। गर्भवती महिलाएं स्तनपान कराने वाली महिलाएं भी पीपल की पत्तियों का सेवन करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

श्री बिहारीजी मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन

कोलकाता : श्री बिहारीजी मंदिर, कोलकाता ने लायंस क्लब इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पहली दफा स्वेच्छा रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पाथुरियाटघाट स्ट्रीट स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित उक्त शिविर का मुख्य लक्ष्य था रक्तदान यानी जीवन दान की युक्ति को सार्थक करते हुए लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना। इस दिन एक दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान कर मानव धर्म निभाया। रक्त प्रदाताओं को प्रमाण-पत्र दिया गया। शिविर को सफल बनाने में श्री बिहारीजी मंदिर के कई पदाधिकारियों व सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह जानकारी आयोजकों की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

वॉकथॉन 2024 के माध्यम से मनाया गया फादर्स डे

कोलकाता : फादर्स डे का वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, बडे.ही अनोखे अंदाज में पालन किया गया। इस कार्यक्रम शीर्षक वॉकथॉन रखा गया। अर्थ है- बच्चे के लिए पिता का साथ चलना। यह कार्यक्रम हर साल आयुष्मान इनिशिएटिव फॉर चाइल्ड राइट्स द्वारा आयोजित किया जाता है। यह कार्यक्रम इस्पात और अन्य जैसे विभिन्न संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जाता है और इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय फादर्स डे को याद करना है। इस वर्ष की वॉक का उद्घाटन कई गणमान्य व्यक्तियों जैसे देबाशीष कुमार, माननीय विधायक और एमएमआईसी, पश्चिम बंगाल सरकार, अंतरराष्ट्रीय ग्रैंड मास्टर दिव्येंदु बरुआ, महिला आयोग और अल्पसंख्यक विकास की सदस्य मारिया फर्नांडीस, प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अशोक विश्वनाथन, तालवादक पंडित मल्लार घोष, कवयित्री मल्लिका घोष और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। इस वॉक में छात्रों सहित सभी क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। गणमान्य व्यक्तियों ने वॉक के अंत में अपने पिता के बारे में अपनी यादें साझा कीं। कार्यक्रम का थीम गीत अर्नब बसु ने गाया। आयुष्मान सचिव ने अपने विचार रखे। पदयात्रा का मार्ग करुणामयी मेट्रो स्टेशन से सिटी सेंटर 1 तक था। कार्यक्रम का समापन इस्पात सचिव रितेश बसाक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मुख्य आयोजक - अरिजीत मित्रा (मानद सचिव, आयुष्मान बाल अधिकार पहल) ने आशा व्यक्त की कि अन्य संगठनों द्वारा भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम अक्सर आयोजित किए जाएंगे।

जरूरतमंदों में 101 व्हील चेयर किया वितरीत

कोलकाता : रोटरी क्लब ऑफ बेलूर द्वारा रोटरी क्लब ऑफ सेंट्रल गार्डन्स और इनर व्हील क्लब कलकत्ता मेट्रोपॉलिटन के सहयोग से विक्टोरिया मेमोरियल के समक्ष वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था की ओर से जरूरतमंद व्यक्तियों को 101 व्हीलचेयर वितरित किया गया। यह संस्था की ओर से इस प्रकार का पहला कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में पहुंचे लाभार्थी कुलतली, डायमंड हार्बर, सुंदरबन के माधवपुर गांव और पश्चिम बर्दवान के एक कुष्ठ रोग गांव से थे। यह कार्यक्रम इस्कॉन के उपाध्यक्ष प्रभु राधारमण दास और पीडीजी रजनी मुखर्जी की उपस्थिति में आयोजित हुआ। यह पहल ईस्ट इंडिया वेलफेयर ट्रस्ट और शरत चंद्र चौधरी द्वारा प्रदान किए गए उद्धार अनुदान के माध्यम से संभव हुई। कार्यक्रम की गतिविधि की जानकारी पीयूष दोशी ने दी।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

बंगाल की दो लेखिकाओं को मिला साहित्य अकादमी सम्मान

कोलकाता : बांग्ला साहित्य विश्व में महिलाओं का हिमायती है। बच्चों के दिमाग में 'महिदादुर एंटीडोट' भरने के लिए दीपान्विता रॉय को साहित्य अकादमी के बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, कवयित्री सुतापा चक्रवती ने युवा साहित्य अकादमी जीता। यह सूची शनिवार को साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित की गई। इसीलिए दीपान्विता रॉय और सुतपा चक्रवती का नाम अपनी-अपनी साहित्यिक कृतियों में रोशन हुआ है। दीपान्विता ने अपने उपन्यास महिदादुर एंटीडोट के लिए बाल साहित्य पुरस्कार जीता है और सुतपा चक्रवती ने को उनकी बांग्ला कविता पुस्तक 'देराजे हलूद फूल, गतजन्म' (दराज में पीला फूल, पूर्वजन्म) के लिए युवा साहित्यिक पुरस्कार दिया गया है।

साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार और युवा पुरस्कारों की इस साल की सूची शनिवार को प्रकाशित हो गई है। 2024 में विभिन्न भाषाओं के कुल 23 लोगों को युवा पुरस्कार मिला। वहीं बच्चों के लिए अलग-अलग भाषाओं में लघु कथाएं, उपन्यास, कविताएं लिखने के लिए 24 लोगों को बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

बंगाल की बाल साहित्य अकादमी की विजेता दीपान्विता दरअसल आसनसोल की रहने वाली हैं। लेखन के अलावा उनके पास विभिन्न मीडिया में काम करने का अनुभव है। जादवपुर विश्वविद्यालय से तुलनात्मक साहित्य की पढाई करने वाली दीपान्विता ने हमेशा बाल साहित्य लिखने पर ध्यान केंद्रित किया है। इस बार बच्चों के लिए उनके उपन्यास 'महिदादुर एंटीडोट' ने बाल साहित्य पुरस्कार जीता। सोशल मीडिया पर फैन्स ने उन्हें बधाई दी। दूसरी ओर, सुतपा चक्रवती ने कविता के क्षेत्र में पुरस्कार हासिल किया है। उनके कविता संग्रह 'देराजे हलूद फूल, गतजन्म' ने साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार जीता। इससे पहले भी सुतपा की कई कृतियों को बांग्ला साहित्य जगत में काफी सराहना मिल चुकी है। सुतपा ने 'भ्रमरायण', 'मायाविद्या' में अपनी साहित्यिक उपलब्धियों की छाप छोडी है। इस बार उन्हें साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्लास्टिक सर्जरी करवाने की अफवाह

हाल ही में कियारा आडवाणी ने प्लास्टिक सर्जरी करवाने की अफवाहों के बारे में बात करते हुए खुलासा किया कि इस तरह की अटकलें बार-बार सुन कर एक वक्त तो उसे लगभग विश्वास उसने अपने चेहरे पर कुछ करवाया है। हो गया था कि कियारा आडवाणी ने कहा, 'मैं किसी इवेंट के लिए गई थी, अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो तस्वीरें आईं, उनके बारे में बहुत सारे कमैंट्स थे 'ओह, उसने प्लास्टिक सर्जरी कराई है। और विडम्बना यह थी कि मैं लगभग विश्वास करने लगी थी कि मैंने कुछ किया है अपने आप को।

वैसे यह पहली बार नहीं है कि कियारा ने प्लास्टिक सर्जरी करवाने की अफवाहों को खारिज किया है लेकिन लगता नहीं है कि कुछ लोग उसकी किसी भी सफाई को मानने को तैयार हैं क्योंकि कियारा की इस सफाई पर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने कमैंट किया, 'झूठ मत बोलो कियारा। अगर तुम सर्जरी कराओगी तो ठीक है लेकिन झूठ बोलना परेशान करने वाली बात है। एक अन्य ने लिखा, 'यह बहुत दुखद है, लेकिन यह अधिक दुखद है कि लोग वास्तव में इस तथ्य को खारिज कर देते हैं कि प्लास्टिक सर्जरी आम बात है और कोई भयानक चीज नहीं है।'

'बात हिन्दुस्तान की' में अपने संस्थान/ प्रतिष्ठान/ कार्यालय आदि का विज्ञापन प्रकाशित करवाने हेतु ह्वाट्सेप नं. 9798848926 पर संपर्क करें। खबरों के लिए हमारे वेबसाइट, यूट्यूब एवं फेसबुक पेज पर नजर रखें

स्वत्वाधिकारी ***'बात हिन्दुस्तान की'*** *(पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-* ***उमेश तिवारी,*** *फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी , ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com*

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)